

## ब्रिक्स देशों के वदेशी कर्ज़

### सन्दर्भ

- हाल ही में विभिन्न देशों के वदेशी कर्ज़ से संबंधित आँकड़े सामने आ चुके हैं। ऐसे आँकड़ों को लेकर पहला सवाल यही रहता है कि इसमें भारत का प्रदर्शन कैसा रहा? अक्सर यह सुनने को मलिका रहा कि भारत नचिले पायदानों पर है। लेकिन अपने ब्रिक्स सहयोगियों की तुलना में भारत की स्थिति उतनी भी लचर नहीं रही है।
- गौरतलब है कि 1991 के आर्थिक उदारीकरण के बाद से भारत वदेशी कर्ज़ के जाल से बचा रहा है। यदि कोई देश वदेशी कर्ज़ के जाल में फँस जाए तो उस देश को अपने ब्याज भुगतान तक के लिये वदेशी कर्ज़ पर निर्भर रहना पड़ता है।

### महत्वपूर्ण बट्टि

- आँकड़ों से पता चलता है कि वर्ष 2000 से 2015 के दौरान चीन वदेशी कर्ज़ के मामले में अत्यधिक सहज स्थिति में था। नई सहस्राब्दी की शुरुआत से लेकर अब तक चीन के सकल राष्ट्रीय आय के अनुपात में उसका वदेशी कर्ज़ 15 फीसदी से कम के स्तर पर रहा है। वहीं भारत के सकल राष्ट्रीय आय की अनुपात में वदेशी कर्ज़ का स्तर 20 फीसदी के आसपास रहा है।
- इसके उलट दक्षिण अफ्रीका की स्थिति में तेजी से गिरावट आई है। गत 15 वर्ष में उसके वदेशी कर्ज़ का स्तर लगभग 20 फीसदी से बढ़ता हुआ 45 फीसदी तक पहुँच गया है। इस बीच ब्राज़ील ने अपनी स्थिति सुधारी है और वह वर्ष 2002 के लगभग 50 फीसदी से सुधरकर वर्ष 2015 में 30 फीसदी तक आ पहुँचा है। रूस की अर्थव्यवस्था पेट्रोलियम आधारित है इसलिए उसके बारे में आसानी से कोई टिप्पणी नहीं की जा सकती है।
- किसी भी देश की वदेशी कर्ज़ को चुकाने की क्षमता उसकी निर्यात क्षमता पर निर्भर करती है। किसी देश के निर्यात और सकल राष्ट्रीय आय का अंतर यह बताता है कि वह देश कसि हद तक आत्मनिर्भर है।
- वर्ष 2015 में ब्राज़ील में निर्यात और सकल राष्ट्रीय आय का अनुपात 13.6 फीसदी था, चीन में यह 24.6 फीसदी, रूस में 33.4 फीसदी, दक्षिण अफ्रीका में 34.4 फीसदी और भारत में 21.6 फीसदी था।
- निश्चिन्ता रूप से वर्ष 2000 से 2015 के बीच सभी देशों ने उल्लेखनीय प्रगति की है। ब्राज़ील के निर्यात और सकल राष्ट्रीय आय का अनुपात में जहाँ 2.8 फीसदी बढ़ोतरी हुई, वहीं चीन में 7.6 फीसदी, भारत में 8.4 फीसदी और दक्षिण अफ्रीका में 4.7 फीसदी की वृद्धि हुई है। केवल रूस के निर्यात और सकल राष्ट्रीय आय के अनुपात में 12.2 फीसदी की गिरावट देखी गई है। ज़ाहिर है ऐसा वैश्विक पेट्रोलियम कीमतों में आई गिरावट की वज़ह से हुआ है।